

---

# Sanskritraksha Bachchom Ki Pratijna

---

## संस्कृतरक्षा बच्चों की प्रतिज्ञा

---

### Document Information

Text title : Sanskritraksha Bachchom Ki Pratijna

File name : sanskRRitarakShAbachchoMkIpratijnA.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

May 19, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

## संस्कृतरक्षा बच्चों की प्रतिज्ञा



संस्कृत भाषा बहुत पुरानी,  
इसकी लम्बी बड़ी कहानी,  
यह सब भाषाओं की नानी,  
फिर भी इसकी नई जवानी । १  
कथा-कहानी खूब सुनाती,  
बच्चों को है खूब हँसाती,  
मीठे-मीठे गाने गाकर,  
सबके मन को है बहलाती । २  
बड़ी रसीली इसकी बानी,  
सुनते ही खुश होते प्रानी,  
विद्वानों की यही निशानी,  
क्या जानें मूरख अज्ञानी । ३  
संस्कृत में ही वेद हमारे,  
शास्त्र पुराण इसी में सारे,  
इसमें ही गीता का ज्ञान,  
यह सब विद्याओं की खान । ४  
अंग्रेजी को ज्ञान सिखाया,  
अरबों को गिन्ती वतलाया,  
यही पुरानी भाषा सच्ची,  
और सभी भाषायें बच्ची । ५  
आओ, संस्कृत पढ़ें पढायें,  
इसका अच्छा ज्ञान बढ़ायें ।  
इसमें ही कल्याण हमारा,  
इसे बचाना धर्म हमारा । ६


- रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

---

——  
*Sanskritraksha Bachchom Ki Pratijna*

pdf was typeset on May 19, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

